शाह की 119 एसपी संग बैठक

- गृह मंत्री अमित शाह ने सीमा सुरक्षा की समीक्षा की
- अवैध घुसपैठ और अप्रवास पर रखें निगरानी : शाह

नई दिल्ली, 9 जुलाई. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में देश के लगभग 119 सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ एक उच्चस्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता की. बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई और सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था तथा सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई.

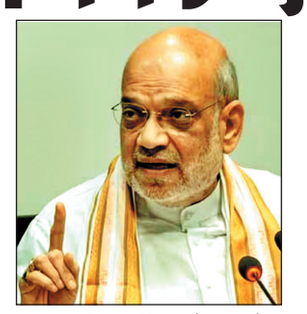

सम्मेलन में घुसपैठ, अवैध अप्रवास, जनसांख्यिकीय बदलाव, मादक पदार्थों की तस्करी, सीमा पार आपराधिक गतिविधियों तथा ड्रोन के माध्यम से उत्पन्न हो रहे सुरक्षा खतरों को प्रमुख एजेंडा बनाया गया. सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से भी अवगत कराया. बैठक में सीमा क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने, राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा अवैध घुसपैठ और अवैध अप्रवास की रोकथाम के लिए अपनाए जा रहे उपायों की समीक्षा की गई.

एजीएमयूटी कैडर के 61 अफसरों का तबादला

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के कुल 61 अधिकारियों का तबादला कर दिया है. जारी आदेश के अनुसार 21 आईएएस और 40 आईपीएस अधिकारियों को विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं. मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि ये तबादले तत्काल प्रभाव से लागू होंगे और अगले आदेश तक प्रभावी रहेंगे. इन अधिकारियों की तैनाती अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मिजोरम, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव सहित एजीएमयूटी कैडर के विभिन्न क्षेत्रों में की गई है. आईएएस अधिकारियों में 2003 बैच के विवेक पांडे को अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरित किया गया है.

भारत और रूस ने की आतंकवाद की कड़ी निंदा

नई दिल्ली. भारत और रूस ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी तरह के आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया है. विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि भारत-रूस संयुक्त कार्य समूह की आतंकवाद-रोधी मामलों पर बुधवार को यहां चौदहवीं बैठक हुई. बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और रूसी संघ के उप विदेश मंत्री दिमित्री ल्युबिंस्की ने की. बैठक में दोनों पक्षों के संबंधित विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया. दोनों पक्षों ने सीमा-पार आतंकवाद सहित सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की.

जनहित में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

- मुख्यमंत्री धामी ने बैंकों को दिए सख्त निर्देश

देहरादून, 9 जुलाई. उत्तराखंड सचिवालय में आयोजित राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 97वीं बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैंकिंग व्यवस्था को अधिक सक्रिय और परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया.

बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों और बैंकों को निर्देश दिए कि राज्य के ऋण-जमा अनुपात में सुधार के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं. मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उन जिलों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, जहां यह अनुपात अपेक्षाकृत कम है. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया

कि ऐसे जिलों में नियमित रूप से ऋण शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि पात्र लाभार्थियों को बैंकिंग सेवाओं और सरकारी ऋण योजनाओं से आसानी से जोड़ा जा सके. उन्होंने कहा कि बैंक और संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, जिससे लोगों को समय पर वित्तीय सहायता मिल सके और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा सके. बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी.

धामी ने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य केवल ऋण वितरण नहीं, बल्कि लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा करना है. उन्होंने बैंकों से अपेक्षा की कि वे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाएं और पात्र लोगों तक बिना अनावश्यक देरी के ऋण पहुंचाएं.

एक नजर में

चीन में स्टॉर्म मेसाक का कहर, 39 की मौत

बीजिंग, 9 जुलाई. दक्षिणी चीन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म 'मेसाक' ने भारी तबाही मचाई है. तूफान के बाद हुई मूसलाधार बारिश से कई क्षेत्रों में बाढ़ आ गई, जिससे अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है. अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में सबसे ज्यादा नुकसान गुआंग्शी क्षेत्र के नाननिंग शहर में हुआ, जहां बांध टूटने की घटना ने हालात को और गंभीर बना दिया. नाननिंग के उपमहापौर डिंग वेई ने प्रेस वार्ता में बताया कि अधिकांश मौतें बांध टूटने के कारण हुईं. इस हादसे में अकेले 26 लोगों की जान चली गई.

हाईकोर्ट ने दी बंडी भागीरथ को जमानत

हैदराबाद, 9 जुलाई. केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंडी भागीरथ को तेलंगाना हाई कोर्ट से पोस्को मामले में राहत मिली है. कोर्ट ने गुरुवार को उन्हें सशर्त नियमित जमानत प्रदान कर दी. यह आदेश उस मामले में आया है, जिसमें पेटबशीराबाद पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी. यह मामला 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पोस्को एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था. शिकायत 17 वर्षीय लड़की की मां ने दर्ज कराई थी. शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी और बाद में लड़की का बयान दर्ज करने के बाद आरोपों से जुड़ी कुछ धाराएं जोड़ी गईं.

चीन से आगे निकली भारतीय वायुसेना

चीन पीछे और पाकिस्तान रहा 18वें नंबर पर काबिज

डब्लूडीएमएमए की रैंकिंग में अमेरिका प्रथम स्थान पर

डब्लूडीएमएमए की रैंकिंग में किसी भी वायुसेना का मूल्यांकन कई मानकों पर किया जाता है. इसमें आधुनिक विमानों की क्षमता, लड़ाकू तैयारी, रणनीतिक हमला और रक्षा क्षमता, प्रशिक्षण, लॉजिस्टिक्स सपोर्ट और फाइटर, ट्रांसपोर्ट तथा स्पेशल मिशन एयरक्राफ्ट के संतुलन को शामिल किया जाता है. भारतीय वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 और तेजस जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान हैं, जो इसकी ऑपरेशनल क्षमता को मजबूत बनाते हैं. यही संतुलित मिश्रण भारत को क्षेत्रीय स्तर पर एक मजबूत हवाई शक्ति बनाता है. रैंकिंग में अमेरिका का दबदबा कायम है.

नई दिल्ली, 9 जुलाई. भारतीय वायुसेना ने वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का एक बार फिर प्रदर्शन किया है. वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट की 2026 ग्लोबल एयर पावर्स रैंकिंग के अनुसार, भारतीय वायुसेना दुनिया की छठी सबसे शक्तिशाली एविएशन फोर्स है.

इस रैंकिंग में सबसे बड़ा बदलाव यह रहा कि भारत ने हवाई क्षमता के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है. भारतीय वायुसेना को 69.4 स्कोर मिला है, जबकि चीन की वायुसेना 63.8 के साथ सातवें स्थान पर है. हालांकि, एयरक्राफ्ट की संख्या के मामले में चीन भारत से काफी आगे है. भारत के पास लगभग 1,716 सक्रिय एयरक्राफ्ट हैं, जबकि चीन के पास करीब 3,733 एयरक्राफ्ट हैं.

इसके बावजूद भारत की रैंकिंग बेहतर रहने का कारण केवल संख्या नहीं, बल्कि बेड़े की गुणवत्ता और संतुलन को माना गया है. अमेरिकी वायुसेना 242.9 स्कोर और 5,004 एयरक्राफ्ट के साथ पहले स्थान पर है. रूस की वायुसेना तीसरे स्थान पर मौजूद है.

अगर केवल देशों की मुख्य वायुसेनाओं की तुलना की जाए, तो अमेरिका और रूस के बाद भारत को दुनिया की सबसे मजबूत वायुसेनाओं में शामिल किया गया है.

सेना प्रमुख ने की नियंत्रण रेखा क्षेत्रों में तैयारियों की समीक्षा

- जनरल सेठ ने आतंकवादरोधी ग्रिड का किया आकलन

नयी दिल्ली 9 जुलाई. सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजौरी और सुंदरबनी सेक्टरों में नियंत्रण रेखा से लगते अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया और सुरक्षा स्थिति तथा क्षेत्र में तैनात सैन्य संरचनाओं की संचालन तैयारियों की समीक्षा की.

जनरल सेठ को नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा माहौल, संचालन तैनाती, निगरानी और व्हाइट नाइट कोर के तहत संरचनाओं की एकीकृत

संचालन तैयारी के बारे में जानकारी दी गई. सेना प्रमुख ने आतंकवाद रोधी ग्रिड का भी आकलन किया और क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण इलाके में उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखने के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की. उन्हें संचालन प्रभावशीलता बढ़ाने और अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के लिए सुविधाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी गई.

82 रुपए हो पेट्रोल की कीमत

बढ़ती कीमत को लेकर केजरीवाल ने बोला हमला

नई दिल्ली, 9 जुलाई. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पेट्रोल की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए एक नया राजनीतिक मुद्दा खड़ा कर दिया है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, आज हमारे देश में पेट्रोल 82 रुपए प्रति लीटर मिलना चाहिए, जबकि सरकार हमसे 102 रुपए प्रति लीटर ले रही है. केजरीवाल के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर पेट्रोल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई. कई यूजर्स ने उनके दावे का समर्थन किया, जबकि कुछ लोगों ने इस आंकड़े के आधार को लेकर सवाल भी उठाए. फिलहाल, पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि 82 रुपये प्रति लीटर की कीमत किस आर्थिक गणना, टैक्स संरचना या अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर बताई गई है. भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत कई कारकों पर निर्भर करती है. इसमें अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत, रुपये और डॉलर की विनिमय दर, रिफाइनिंग लागत, मालभाड़ा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए जाने वाले कर तथा डीलर कमीशन जैसे कई तत्व शामिल होते हैं.

भारत और नेपाल संसदों के बीच बढ़ेगा सहयोग : बिरला

नेपाल के स्पीकर ने ओम बिरला को काठमांडू का न्यौता दिया

काठमांडू, 9 जुलाई. भारत और नेपाल के बीच संसदीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है.

नेपाल के प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को आधिकारिक नेपाल यात्रा के लिए आमंत्रित किया है. नेपाल के स्पीकर सचिवालय ने गुरुवार को इसकी जानकारी साझा की. यह निमंत्रण काठमांडू में नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव के साथ हुई शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दिया गया. इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई. नेपाल के प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की नेपाल यात्रा से दोनों देशों की संसदों के बीच संवाद और सहयोग को नई मजबूती मिल सकती है. भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध रहे हैं और दोनों देशों की संसदों के बीच संपर्क बढ़ाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

आज का इतिहास

1246: नसीरुद्दीन मुहम्मद शाह दिल्ली की गद्दी पर आसीन हुआ.

1553: मात्र 15 साल की उम्र में लेडी जेन ग्रे इंग्लैंड की रानी बनीं. वह केवल नौ दिन तक ही इस पद रहीं इसलिए उन्हें नौ दिन की रानी के नाम से भी जाना जाता है।

1624: हॉलैंड और फ्रांस के बीच स्पेन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर।

1806: वेल्लोर में भारतीय सिपाहियों ने अंग्रेजों के खिलाफ पहला विद्रोह किया था।

1848: न्यूयॉर्क और शिकागो के बीच पहला टेलीग्राफ लिंक शुरू।

1856: निकोला टेस्ला का जन्म हुआ. उनके नाम पर ही फ्लक्स की मानक इकाई को टेस्ला का नाम दिया गया है।

घाटी में गूंजे बाबा अमरनाथ के जयकारे

08 वें जत्थे में 8,150 श्रद्धालु जम्मू से रवाना

जम्मू, 9 जुलाई. दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा के लिए 8,150 श्रद्धालुओं का आठवां जत्था गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ.

श्रद्धालु तड़के हल्के और भारी मोटर वाहनों सहित 334 वाहनों के काफिले में जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए. जत्थे में 3,445 श्रद्धालु बालटाल और 4,705 श्रद्धालु पहलगाम मार्ग के लिए रवाना हुए.

यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पंजीकरण की पुष्टि होने और निर्धारित तिथि पर ही यात्रा करें, क्योंकि किसी भी अपंजीकृत श्रद्धालु को आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दो जुलाई को जम्मू से यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था.

मारपीट मामले में शिवसेना पार्षद सहित 3 गिरफ्तार

मुंबई. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में डॉक्टरों के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षद रमेश म्हात्रे को बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया. इस मामले में उनके तीन सहयोगियों को भी हिरासत में लिया है. अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा कक्ष में कोई बेड खाली नहीं था. ऐसे में डॉक्टर सृष्टि बाविस्कर और वैभव सालुंखे ने नवजात के परिजनों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी. परिजनों ने स्थानीय शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को अस्पताल बुलाया. पार्षद अपने तीन साथियों के साथ अस्पताल में डाक्टर से मारपीट शुरू कर दी.

कश्मीर में किताबों की जांच अभियान शुरू

श्रीनगर. श्रीनगर, 09 जुलाई. कश्मीर में शैक्षणिक संस्थानों में उपयोग की जा रही पुस्तकों और अध्ययन सामग्री की व्यापक समीक्षा के निर्देश जारी किए गए हैं. स्कूल शिक्षा निदेशालय कश्मीर (डीएसईके) ने सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग सेंटरों को आदेश दिया है कि वे अपने परिसरों में उपलब्ध सभी पुस्तकों की जांच करें और यह सुनिश्चित करें कि उनमें कोई आपत्तिजनक सामग्री न हो. इससे पहले कश्मीर विश्वविद्यालय भी अपनी केंद्रीय और विभागीय लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों, शोध सामग्री, जर्नल और अन्य प्रकाशनों की समीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर चुका है.

वैज्ञानिक विरासत को आगे बढ़ाएं युवा : डॉ. जितेंद्र

नई दिल्ली, 9 जुलाई. केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का परमाणु कार्यक्रम विकास के नये चरण में प्रवेश कर चुका है.

डॉ. सिंह ने ओडिशा में भुवनेश्वर स्थित राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर) के 15वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने युवा वैज्ञानिकों से डॉ. होमी जहांगीर भाभा की वैज्ञानिक विरासत को आगे बढ़ाने और विकसित भारत-2047 तथा नेट ज़ीरो के राष्ट्रीय लक्ष्यों को साकार करने में सक्रिय

योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन संचालित किसी संस्थान का दीक्षांत समारोह केवल डिग्री वितरण नहीं, बल्कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता, नवाचार और राष्ट्रीय दायित्व की विरासत नई पीढ़ी को सौंपने का अवसर होता है. उन्होंने कहा कि भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने देश के परमाणु कार्यक्रम को हमेशा शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए समर्पित रखने का संकल्प लिया था।

उन्होंने बताया कि भारत अपने पहले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के विकास के साथ परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता और ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण प्रतीक है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,780 मेगावाट है, जिसे वर्ष 2032 तक बढ़ाकर 22,380 मेगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है.

हस्तियों के ट्वीट

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रधर्म तथा भारत की आन, बान और शान की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई लोधी जी ने अपना सर्वस्व समर्पित कर वीरगति का वरण किया. जनपद बाँदा में आज उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण किया.

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी हाल ही में सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि मैं 'व्यापक क्षेत्र' के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता हूं, जिन्हें नेपल्स प्रदर्शन के दौरान पोटेरे अल पोपोलो के सदस्यों द्वारा चुनौती दी गई थी.

कई राज्यों में बाढ़-लैंडस्लाइड

नई दिल्ली, 9 जुलाई. देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है और इसका असर अब देश के अधिकांश हिस्सों में दिखाई दे रहा है.

लगातार हो रही भारी बारिश ने कई राज्यों में बाढ़, भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति पैदा कर दी है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कई क्षेत्रों में अगले 24 से 48 घंटों के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन को सतर्क

रहने के निर्देश दिए गए हैं. सबसे गंभीर घटनाओं में महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र के मोशी में कचरे का विशाल ढेर एक तीन मंजिला इमारत पर गिर गया. इस हादसे में कई लोग मलबे में दब गए. राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचकर फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं.

मशहद में सुपुर्द-ए-खाक हुए अयातुल्ला अली खामेनेई

मशहद, 9 जुलाई. ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को 9 जुलाई को मशहद स्थित इमाम रज़ा श्राइन में पूरे राजकीय और धार्मिक सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया.

उनके अंतिम संस्कार के साथ 4 जुलाई से शुरू हुआ छह दिवसीय राष्ट्रीय शोक कार्यक्रम समाप्त हो गया. इस दौरान ईरान के विभिन्न शहरों में श्रद्धांजलि सभाएं और अंतिम यात्रा निकाली गई, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया. अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु फरवरी 2026 में अमेरिका और

इज़रायल के संयुक्त हवाई हमलों के दौरान हुई थी. युद्ध की परिस्थितियों और सुरक्षा कारणों से उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार तत्काल नहीं किया जा सका. बाद में स्थिति सामान्य होने पर ईरानी अधिकारियों ने विस्तृत अंतिम यात्रा और दफन की योजना बनाई. अंतिम यात्रा तेहरान से शुरू होकर क़ोम पहुंची. इसके बाद शिया समुदाय के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों कर्बला और नजफ़ से जुड़े प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि कार्यक्रम भी आयोजित किए गए. इन आयोजनों में लाखों लोगों की भागीदारी देखने को मिली.

अयातुल्ला खामेनेई की इच्छा थी कि उन्हें इमाम रज़ा श्राइन में दफनाया जाए. इसी इच्छा के अनुरूप उनका अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया. समारोह के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए और देशभर में शोक कार्यक्रम आयोजित हुए. खामेनेई की देश की राजनीति, विदेश नीति तथा धार्मिक नेतृत्व में उनकी केंद्रीय भूमिका रही. उनके निधन और अंतिम संस्कार के बाद ईरान अब नए नेतृत्व के दौर में प्रवेश कर चुका है.

मशहद में अंतिम संस्कार के दिन भी भारी भीड़ उमड़ी, जिसके कारण दफन की प्रक्रिया निर्धारित समय से कुछ देर बाद पूरी हुई.

कैंसर से प्रतिदिन जा रही हैं 26,000 जानें

- डब्ल्यूएचओ की वार्षिक रिपोर्ट में हुआ खुलासा

जेनेवा, 9 जुलाई. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक दुनिया भर में हर दिन कैंसर की वजह से 26,000 से अधिक लोग अपनी जान गंवा रहे हैं और साल 2050 तक कैंसर के सालाना मामलों की संख्या बढ़कर करीब 3.5 करोड़ पहुंच सकती है.

डब्ल्यूएचओ और इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईआरएसी) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार की गयी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026 के अनुसार, वर्तमान में हर साल दुनिया भर में कैंसर के लगभग 2.06 करोड़ नए मामले

सामने आते हैं और करीब एक करोड़ मौतें होती हैं. हृदय रोगों के बाद कैंसर दुनिया में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बना हुआ है. रिपोर्ट में कैंसर के इलाज और देखभाल को लेकर दुनिया के अमीर और गरीब देशों के बीच की बड़ी असमानता पर गहरी चिंता जतायी गयी है. कोई व्यक्ति कैंसर से बच पाएगा या नहीं, यह इस बात पर बिल्कुल निर्भर नहीं होना चाहिए कि उसने कहाँ जन्म लिया है या वह कितना कमाता है. रिपोर्ट में दिख रही यह असमानता कोई मजबूरी नहीं है बल्कि नीतियों के गलत फैसलों का नतीजा है, जिसे मजबूत इच्छाशक्ति से बदला जा सकता है.

आंकड़ों के मुताबिक, उच्च आय वाले देशों में जहां स्तन कैंसर से पीड़ित 87 फीसदी महिलाएं इलाज के बाद पांच साल से अधिक समय तक जीवित रह पाती हैं, वहीं कम आय वाले देशों में यह आंकड़ा महज 42 प्रतिशत है. इसके अलावा, दुनिया के हर तीन में से केवल एक देश ने ही अपने सार्वभौमिक स्वास्थ्य पैकेज में कैंसर के इलाज को शामिल किया है. डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, कैंसर एक बेहद दर्दनाक बीमारी है जो हममें से लगभग हर किसी को छूती है.